प्रयास–2017

(कक्षा 10 के बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु अभिनव कार्य योजना)

क्रमांकः शिविरा–मा/माध्य/निप्र/नवाचार/2017/32 दिनांक :11.01.2017

1. प्रस्तावना –

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, बीकानेर के तत्वावधान में माध्यमिक परीक्षा–2017 में बोर्ड परीक्षा परिणामों में संख्यात्मक एवं गुणात्मक सुधार हेतु अभिनव कार्य योजना निर्मित की गई है। निदेशालय द्वारा इस हेतु कक्षा 10 की माध्यमिक परीक्षा–2016 के परिणामों का विशद् विश्लेषण एवं गहन समीक्षा उपरांत ये तथ्य उभर कर सामने आया कि राजकीय विद्यालयों में कक्षा 10 के परीक्षा परिणाम के संख्यात्मक व गुणात्मक रूप से न्यून रहने के मूल में गणित, अंग्रेजी व विज्ञान विषयों में विद्यार्थियों का कमजोर प्रदर्शन है। इस योजना का मूल उद्देश्य राज्य के राजकीय विद्यालयों में कक्षा 10 के परीक्षा परिणाम का गुणात्मक एवं मात्रात्मक दृष्टि से उन्नयन करना है। इस हेतु निदेशालय स्तर पर किए गए अध्ययन में सम्पूर्ण राज्य में इन तीनों लक्षित विषयों (गणित, अंग्रेजी व विज्ञान) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजकीय विद्यालयों (जिनमें लक्षित विषय में 75 प्रतिशत या अधिक विद्यार्थियों द्वारा प्रथम श्रेणी के अंक प्राप्त किए गए) को चिन्हित किया जाकर उन्हें संबंधित विषय में MENTOR (मार्गदर्शक) माना जाकर न्यून परिणाम देने वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु अकादमिक संबंलन प्रदान करने का दायित्व दिया जाने का निर्णय किया गया है। उक्त क्रम में तीनों लक्षित विषयों में न्यून परीक्षा परिणाम (जिनका परीक्षा परिणाम 25 प्रतिशत से न्यून रहा है) वाले राजकीय विद्यालयों को (मण्डल/जिलेवार संलग्न सूची के अनुसार) प्रयास–2017 के तहत चिन्हित किया जाकर समग्र परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु विशिष्ट कार्य योजना में सम्मिलित किया गया है। उक्त योजना का विशिष्ट उद्देश्य अपेक्षाकृत कठिन पाए गए इन तीनों विषयों में विद्यार्थियों की वर्तमान समझ में अभिवृद्धि कर परीक्षा परिणामों की गुणवत्ता में सुधार लाना है। इस हेतु समस्त विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को विशिष्ट शैक्षिक सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी। MENTOR (मार्गदर्शक) शिक्षकों द्वारा प्रयुक्त और अनुभूत नवाचारी शिक्षण विधा की जानकारी विषयाध्यापकों को दी जाएगी, जिसका अनुप्रयोग परीक्षा प्रारम्भ होने की समयावधि तक अभियान स्तर पर किया जाना है।

2. अवधि–

इस कार्य योजना की अवधि माध्यमिक परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व 08 मार्च 2017 तक रहेगी।

3. दायित्व –

अ. निदेशालय स्तर–

प्रयास–2017 के प्रभावी प्रबोधन हेतु निदेशालय स्तर पर उपनिदेशक (माध्यमिक) सम्पूर्ण राज्य हेतु नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। वे इस कार्य योजना के सम्पूर्ण राज्य में सुचारू संचालन हेतु सतत् पर्यवेक्षण एवं मोनिटरिंग करेंगे।

लक्षित विषयों के परीक्षा परिणाम के मात्रात्मक एवं गुणात्मक सुधार हेतु अग्रांकित मण्डल उपनिदेशकों को विषयवार नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है। इन्हें सहयोग प्रदान करने के लिए सहायक नोडल अधिकारी तथा अकादमिक सहयोग हेतु नाम के समक्ष अंकितानुसार अकादमिक संस्थाओं को दायित्वबद्ध किया जाता है:–

क्र. सं.	विषय	विषयवार नोडल अधिकारी	सहायक नोडल अधिकारी	अकादमिक सहयोग
1.	विज्ञान	मण्डल उपनिदेशक, माध्यमिक शिक्षा, अजमेर	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक–द्वितीय, अजमेर	राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान, अजमेर
2.	गणित	मण्डल उपनिदेशक, माध्यमिक शिक्षा, जोधपुर	I. जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक–प्रथम, जोधपुर II. श्री राधेश्याम शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, चित्तौडगढ़	काबरा शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (सीटीई), जोधपुर।
3.	अंग्रेजी	मण्डल उपनिदेशक, माध्यमिक शिक्षा,बीकानेर	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, हनुमानगढ़	अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान, बीकानेर

विषयवार नियुक्त नोडल अधिकारियों द्वारा उक्त दायित्व मण्डल अधिकारी के दायित्वों के अतिरिक्त निभाया जाना है। वे इस हेतु निदेशालय द्वारा उपलब्ध करवाई गई विषयवार उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों के संबंधित विषय के शिक्षकों की राज्य स्तरीय कार्यशाला संलग्न समय सारिणी के अनुरूप आयोजित करेंगे। इन कार्यशालाओं में जिला स्तरीय कार्यशालाओं में MENTOR शिक्षकों द्वारा तैयार की गई परीक्षोपयोगी सामग्री का संबंधित शिक्षकों द्वारा प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। प्रस्तुत सामग्री की समीक्षा विषय विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी। राज्य स्तरीय कार्यशाला में उपस्थित विषय विशेषज्ञों द्वारा गहन विश्लेषणोपरांत परीक्षोपयोगी अध्ययन सामग्री को अंतिम रूप दिया जाएगा, जो प्रत्येक स्तर के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सके। यह अध्ययन सामग्री विषय विशेष के गत वर्षों के प्रश्न–पत्रों तथा बोर्ड पैटर्न के आधार पर तैयार की जाए। इस सामग्री की सॉफ्ट व हार्ड प्रति तैयार की जाएगी। इस सामग्री को समस्त राज्य के विद्यालयों में भिजवाया जाएगा।

ब. मण्डल स्तर–

समस्त मंडल उपनिदेशक (माध्यमिक) कार्य योजना ''प्रयास–2017'' की सुचारू क्रियान्विति हेतु क्षेत्राधिकार (मण्डल) के नोडल अधिकारी होंगे। ये अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार में इस कार्य योजना के प्रभावी संचालन के लिए उत्तरदायी होंगे। इस बाबत् बोर्ड परीक्षा प्रारम्भ होने तक सप्ताहवार अग्रिम योजना बनाकर तद्नुरूप परिवीक्षण करेंगे। इन परिवीक्षणों में न्यून परिणाम वाले विद्यालयों को प्राथमिकता प्रदान करते हुए अवलोकनोपरांत वांछित सम्बलन एवं सहयोग प्रदान किया जाना सुनिशिचित करेंगे। उक्त कार्य योजना को परिणामोन्मुखी बनाए जाने की सुनिशिचितता हेतु सम्पूर्ण मंडल के राजकीय विद्यालयों में इसके नियमित संचालन एवं प्रबोधन हेतु मण्डल कार्यालय में नियंत्रण कक्ष की स्थापना करेंगे, जिसके प्रभारी मण्डल कार्यालय में कार्यरत सहायक निदेशक होंगे।

स. जिला स्तर–

जिला स्तर पर इस कार्य योजना के प्रभावी संचालन, प्रबोधन तथा प्रतिदिन आधार पर निर्मित कार्य योजना के क्रियान्वयन एवं सतत् पर्यवेक्षण का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (शैक्षिक प्रकोष्ठ) का होगा। उक्त कार्य में एडीपीसी (रम्सा) द्वारा परिवीक्षण एवं प्रबोधन हेतु समुचित सहयोग प्रदान किया जाएगा। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उक्त सम्बन्ध में दोनों अधीनस्थ अधिकारियों को दायित्वबद्ध किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

जिला शिक्षा अधिकारी स्वयं विद्यालयों में संचालित कार्य योजना ''प्रयास–2017'' की क्रियान्विति का अधिकाधिक अवलोकन करते हुए सम्बलन प्रदान करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार के समस्त विद्यालयों में उक्त महत्वपूर्ण शैक्षिक कार्य योजना के सार्थक संचालन हेतु अनुकूल वातावरण विकसित करने के लिए समस्त संस्था प्रधानों को प्रेरित करने का कार्य करेंगे तथा इस हेतु विद्यालय की सारभूत आवश्यकताओं एवं समस्याओं की यथासम्भव पूर्ति/निराकरण करने हेतु सम्बलन प्रदान करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी संबंधित लक्षित विषयों के नोडल अधिकारियों से शैक्षिक/अध्ययन सामग्री प्राप्त कर संलग्न समय–सारिणी के अनुरूप क्षेत्राधिकार के विद्यालयों को वितरित करने हेतु उत्तरदायी होंगे।

समस्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, बीकानेर के तत्वावधान में माध्यमिक परीक्षा–2017 हेतु बोर्ड परीक्षा परिणाम में संख्यात्मक एवं गुणात्मक सुधार हेतु निर्मित अभिनव कार्य योजना के तहत दिनांक 10.01.2017 को संबंधित मण्डल/जिला मुख्यालयों पर स्थित डी.एल.एस.आर. में आयोजित बैठक में पारस्परिक विमर्श पश्चात लिए गए निर्णय के तहत क्षेत्राधिकार में अग्रांकित विवरणानुसार कार्यवाही सम्पादित की जानी सुनिश्चित करेंगे :–

- संलग्न सूची में वर्णित वर्ष 2016 की माध्यमिक परीक्षा में गणित, अंग्रेजी तथा विज्ञान विषयों में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों के तत्समय कार्यरत विषयाध्यापकों (जिन्हें विभाग द्वारा प्रयास–2017 कार्य योजना हेतु MENTOR शिक्षक नामांकित किया गया है)से तत्काल सम्पर्क कर संलग्न प्रपत्र की पूर्ति करवाएंगे।

- MENTOR शिक्षक द्वारा प्रपत्र में दर्शाए गए रुचि के प्रकरण/पाठ/Topic पर माध्यमिक परीक्षा–2017 को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के लिए उपयोगी लघु पाठ्य/अध्ययन सामग्री विकसित करने के लिए (समान रूचि के प्रकरण/पाठ/Topic वाले शिक्षकों के समूह तैयार करते हुए) कार्यशाला आयोजित करवाएंगे। इन कार्यशालाओं में विषयवार निर्मित सामग्री को संबंधित शिक्षक विषयवार आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशालाओं में प्रस्तुत करेंगे।
- जिन जिलों में दो जिला शिक्षा अधिकारी कार्यरत हैं, उन जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी–प्रथम जिला स्तर पर उक्त कार्यशाला आयोजन का सम्पूर्ण दायित्व निर्वहन करेंगे तथा जिला शिक्षा अधिकारी–द्वितीय उक्त कार्य संपादन में वांछित सहयोग प्रदान करेंगे।

- **अध्ययन सामग्री तैयार करवाते समय ध्यान रखने योग्य बिन्दु :–**

  - यह सामग्री प्रकरण वार तथा बोर्ड पाठ्यक्रम में प्रदत्त अंक भार के अनुसार हो।
  - सामग्री तैयार करते समय बोर्ड प्रश्नपत्र के ब्ल्यूप्रिंट को ध्यान में रखा जाए।
  - यह सामग्री इस प्रकार से निर्मित की जाए, जिससे कमजोर लब्धि वाले विद्यार्थी अपने प्रदर्शन में सुधार कर सके तथा अच्छी और उत्कृष्ट लब्धि वाले विद्यार्थी भी अपनी लब्धि को उच्चतम स्तर तक ले जा सके।
  - इस सामग्री में विषय वस्तु के साथ MENTOR शिक्षक द्वारा प्रयोग में लाई जा रही तकनीक का भी उल्लेख हो।
  - इस सामग्री की भाषा सरल और बोधगम्य हो ताकि प्रत्येक स्तर का विद्यार्थी इसका उपयोग आसानी से कर सके।
  - सामग्री में प्रश्नों के हल करने के उचित तरीको का विवरण हो, जिससे विद्यार्थी की लब्धि में वृद्धि हो सके।
  - MENTOR शिक्षकों द्वारा जटिल प्रत्ययों को याद रखने के लिए सुझाए गए शॉर्टकट तरीकों का भी उल्लेख हो, जिससे समस्त स्तर के विद्यार्थी इसे ग्राह्य कर अपनी लब्धि में वृद्धि कर सके।
  - सामग्री में विषय से संबंधित उन बातों का उल्लेख भी हो, जिनके सामान्य प्रयोग से विद्यार्थी अपनी लब्धि में वृद्धि कर सके।

द. विद्यालय स्तर–

संस्था प्रधानों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे विद्यालय में अनुकूल और प्रेरक वातावरण का निर्माण कर विद्यार्थियों के शैक्षिक उत्थान एवं परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु निर्मित कार्य योजना ''प्रयास–2017'' के प्रभावी संचालन हेतु एवं अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने हेतु समस्त स्टाफ को प्रेरित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेंगे।

संस्था प्रधान अध्यापक–अभिभावक परिषद की आगामी 16 जनवरी को आयोज्य बैठक में अभिभावकों को इस कार्य योजना बाबत् विस्तृत जानकारी देंगे तथा कार्य योजना की क्रियान्विति अवधि में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय में शत–प्रतिशत उपस्थिति हेतु अभिभावकों को प्रेरित करेंगे। संबंधित संस्था प्रधान का दायित्व होगा कि वे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त विद्यार्थियों के अध्ययन–अध्यापन हेतु प्रदत्त विशिष्ट शैक्षिक सामग्री का उपयोग करते हुए। समस्त विषयों के पाठ्यक्रम दोहरान (Revision) करवाएंगे। संस्था प्रधान प्रत्येक सप्ताह अध्ययन करवाए गए विषय हेतु साप्ताहिक टैस्ट लिए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

4. कार्य योजना हेतु समय–सारिणी

क्रम संख्या	सम्पादित की जाने वाली कार्यवाही का विवरण	निर्धारित तिथि
1.	संस्था प्रधान एवं स्टाफ द्वारा कक्षा 10 के समस्त विद्यार्थियों की शैक्षिक लब्धि के सम्बन्ध में अभिभावकों को अवगत करवाना। बैठक में अभिभावकों को इस कार्य योजना बाबत् विस्तृत जानकारी दिया जाना तथा कार्य योजना की क्रियान्विति अवधि में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय में शत–प्रतिशत उपस्थिति हेतु अभिभावकों को प्रेरित करना।	16.01.17
2.	समस्त जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा माध्यमिक परीक्षा में गणित, अंग्रेजी तथा विज्ञान विषयों में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों के तत्समय कार्यरत विषयाध्यापकों (जिन्हें विभाग द्वारा प्रयास–2017 कार्य योजना हेतु MENTOR शिक्षक नामांकित किया गया है) की कार्यशालाओं का आयोजन।	दिनांकः 17.01.17 से 21.01.17 के मध्य
3.	विज्ञान विषय हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला का अजमेर में आयोजन।	दिनांकः 23.01.17
4.	गणित विषय हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला का जोधपुर में आयोजन।	दिनांकः 27.01.17
5.	अंग्रेजी विषय हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला का हनुमानगढ़ में आयोजन।	दिनांकः 31.01.17
6.	सामग्री की सॉफ्ट प्रति MS Word में तैयार करवाई जाए तथा इसमें देवनागरी लिपि हेतु DevLys 010 फॉन्ट व अंग्रेजी लिपि हेतु Times New Roman फॉन्ट का प्रयोग कर तैयार की जाए तथा उसे राज्य के समस्त उपनिदेशको तथा जिला शिक्षा अधिकारियों को तत्काल उपलब्ध करवाया जाए।	दिनांकः 24.01.17 से कार्यशालाओं के समापन तक
7.	जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्राप्त अध्ययन/शैक्षिक सामग्री को क्षेत्राधिकार के समस्त विद्यालयों में वितरित करना।	दिनांकः 24.01.17 से सामग्री प्राप्ति तक
8.	विद्यालयों में कक्षा 10 के समस्त विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार उपचारात्मक शिक्षण तथा गहन अध्यापन कार्यक्रम का नियमित संचालन। इस दौरान प्रयास–2017 के तहत प्राप्त सामग्री का व्यापक उपयोग किया जाए।	दिनांकः 25.01.17 से 25.2.17 तक
9.	बोर्ड पैटर्न पर प्री–बोर्ड परीक्षा का आयोजन। परिणाम के सम्बन्ध में प्रत्येक विद्यार्थी से व्यक्तिशः बातचीत कर उन्हें उसके Weak Points से अवगत करवाना तथा इस हेतु विशेष प्रयास करने हेतु प्रेरित करना।	दिनांकः 26.02.17 से 28.02.17
10.	प्री–बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर विषयवार Weak Points के आधार पर विद्यार्थियों को विद्यालय में बुलाकर सुपरवाइज्ड स्टडी (संबंधित विषयाध्यापक द्वारा सम्मुख बैठा कर) करवाया जाना।	दिनांकः 02.03.17 से बोर्ड परीक्षा प्रारम्भ होने तक

(**बी.एल. स्वर्णकार**)
आई.ए.एस.
निदेशक,माध्यमिक शिक्षा
राजस्थान, बीकानेर